कान्हा झूले पलना | By Tejaswa

सारे जग की डोर को थामे कान्हा झूले पलना
माँ यशोदा के अंगना झूले पलना

देव अम्बर में सारे प्रसन्न हैं
नर नारी प्रेम में मगन हैं
कैसी लीला रचाये है सांवरा
फिर से लौट आया आज बचपन है
मुंह में दाल अंगूठा चूसे झूल रहे हैं पलना
माँ यशोदा के अंगना झूले पलना

आज भक्तों ने खुशियां मनाई
बंटी हर घर में आज तो मिठाई
नन्द रानी की तक़दीर देखो
जग के दाता की माता कहाई
हर कोई मांगे हर कोई चाहे
प्रेम में इनके बंधना
माँ यशोदा के अंगना झूले पलना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%9d%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a4%b2%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-tejaswa/